GOVERNMENT COLLEGE SANGRAH
EST. 2006 www.gcsangrah.in pcgcsangrah191@gmail.com 01702-248216

संस्कृत विभाग Department Of Sanskrit

Course Outcome पाठ्यक्रम परिणाम

Year	**Course Code**	**Course Type**	**Course Name**	Course Outcome/ Objective
स्नातक प्रथम वर्ष B.A. 1st Year	DSC-1A SKT-DSC 101	Core course	संस्कृत काव्य	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत महाकाव्यों में वर्णित राजाओं की राजनीतिक,सामाजिक व धार्मिक इत्यादि भावनाओं को पद्यबद्ध किया गया है,जो समाज व छात्रों को समर्पण भावना का संदेश देता है। संस्कृत के महाकवि कालिदास, माघ, भारवि, आदि कवियों का जीवन चरित्र और उनकी रचनाओं का अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।
	DSC-1B SKT-DSC 102	Core Course	संस्कृत गद्य काव्य	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत गद्यकाव्यों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक रूप से संक्षिप्त वर्णन है जो तत्कालीन भारतवर्ष की स्थिति स्पष्ट करता है। महाकवि बाणभट्ट की रचना कादम्बरी का शुकनासोपदेश तथा पण्डित अम्बिकादत्त व्यास की रचना शिवराजविजय को पढ़ेंगे।
	SKT/MIL-1 SKT-DSC-103	Compulsory Course	नीति साहित्य	इस पाठ्यक्रम में छात्रों व समाज को नीति, संस्कार,समर्पण व प्रेम भावना की शिक्षा दी

				गई है। यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसे सभी विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसमें नीति की कहानियों के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा दी जाती है तथा अथर्ववेद के एकसूक्त के माध्यम से ब्रह्मचर्य के प्रति जागरूक किया जाता है। अनिवार्य विषय के रूप में संस्कृत पाठ्यक्रम में नीति साहित्य का अध्ययन कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक व्यवहार के विषय में शिक्षित करना है। आज के युवाओं को नैतिक शिक्षा एवं मानवमूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन एक अच्छा विकल्प प्रदान करती है।
	AECC SKT-AECC-104	Compulsory Course	उपनिषद्,श्रीमद्भगवद्गीता तथा पाणिनीय शिक्षा	इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जीवन की वास्तविकता व निष्काम कर्म की शिक्षा देना है।यह भी एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसे कला एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी पढ़ सकते हैं। इसमें श्रीमद्भगवद्गीता का द्वितीय अध्याय एवं ईशावास्योपनिषद् तथा पाणिनीय शिक्षा निर्धारित हैं जो शिक्षार्थियों को कर्म-पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय धर्म एवं दर्शन का आधार स्तम्भ है। मानव मूल्यों के ज्ञान एवं सम्वर्द्धन की शिक्षा गीता के अतिरिक्त अन्यत्र दुर्लभ है।

स्नातक द्वितीय वर्ष B.A. 2nd year	DSC-1C SKT-DSC-201	Core Course	संस्कृत नाटक	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत नाटकों में वर्णित राजाओं की राजनीतिक, सामाजिक ,सौहार्दपूर्ण भावनाओं को नाट्यबद्ध किया गया है, जो समाज को समर्पण भावना की प्रेरणा देता है। यह पाठ्यक्रम संस्कृत नाटकों के माध्यम से कुछ ऐतिहासिक वृत्तान्तों को जानने एवं उनमें विद्यमान लौकिक ज्ञान को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।
	DSC-1D SKT-DSC-202	Core Course	संस्कृत व्याकरण	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत के व्याकरण का सामान्य परिचय दिया गया है । जो छात्रों के लिए उच्चारण की दृष्टि से बहुत उपयोगी है। भाषा को समझने के लिए व्याकरण की उपादेयता सर्वविदित है। संस्कृत व्याकरण एकमात्र वैज्ञानिक व्याकरण है। संस्कृत भाषा के आधारभूत नियमों से सम्बंधित कुछ प्रकरण शिक्षार्थियों के लिए अतीव उपयोगी हैं।
	AEEC/SEC-1 SKT-SEC-205	Skill Enhancement Course	आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों का वर्णन किया गया है ,जो छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है। हमारा यह शरीर सभी प्रकार के कर्मों एवं धार्मिक कार्यों को करने का एकमात्र साधन है अतः इसका निरंतर क्रियाशील तथा स्वस्थ होना अत्यावश्यक है। हमारी दैनिक

				दिनचर्या कैसी होनी चाहिए, भोजन किस तरह का लेना चाहिए, आचरण कैसा होना चाहिए इस प्रकार के शरीर को स्वस्थ रखने के उपायों के विषय में विद्यार्थी इस पाठ्यक्रमके माध्यम से ज्ञानार्जित कर सकते हैं।
	AEEC/SEC -2 SKT-SEC-206	Skill Enhancement Course	संस्कृत-छन्द एवं गायन	इसमें संस्कृत भाषा के छन्दों का वर्णन किया गया है तथा उसके गायन की विधि के बारे में भी बताया गया है जो छात्रों के लिए उच्चारण व गायन की दृष्टि से बहुत उपयोगी है। इस पाठ्यक्रम में छन्दों का आरम्भिक ज्ञान इनका इतिहास तथा गायन की कला के विषय में वर्णन है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का मूल उद्गम संस्कृत के ग्रंथों में ही निहित है। छन्दशास्त्र संगीत का अभिन्न अंग है । गायन के समय में उच्चारण की बारीकियों का ज्ञान इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से प्राप्त हो सकता है।
	SKT/MIL-2 SKT-DSC-203	Compulsory Course	व्याकरण एवं संयोजन	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत के व्याकरण का सामान्य परिचय दिया गया है ,जो छात्रों के लिए व्याकरण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।

स्नातक तृतीय वर्ष B.A. 3rd Year	DSE-1A SKT-DSE-301	Discipline Specific Elective	व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्यक्तित्व विकास के भारतीय दृष्टिकोण का वर्णन किया गया है ,जिसके अन्तर्गत व्यक्ति की अवधारणा, ऐतिहासिक दृष्टिकोण, व्यक्तित्व के प्रकार तथा व्यवहार सुधार के मापदण्डों का निरूपण हैं जो छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है। इसमें मनुष्य के आचार, व्यवहार एवं सृष्टि के विषय में ज्ञान दिया गया है। यह संसार अस्तित्व में कैसे आया तथा इसमें मानव का क्रमिक विकास कैसे हुआ इससे सम्बद्ध ज्ञान विद्यार्थी यहाँ ग्रहण कर सकते हैं।
	DSE-1B SKT-DSE-302	Discipline Specific Elective	साहित्यिक समालोचना	इसमें संस्कृत भाषा के छात्रों के लिए काव्य के प्रयोजन, हेतु, स्वरूप, भेद, रस-विवेचन तथा शब्दशक्तियों का वर्णन है जो छात्रों के लिए साहित्यिक-दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।
	GE -1 SKT-GE-303	Generic Elective	पातंजल योगसूत्र	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पतंजलि के योगसूत्र का निरूपण हैं जिसमें योगदर्शन की पृष्ठभूमि के साथ-साथ योग के सूत्र वर्णित है, आधुनिक समय में सभी के लिए बहुत उपयोगी है। योग एक ऐसा साधन है जो मानवमात्र को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए मोक्ष के मार्ग पर ले जा सकता है। लौकिक एवं परलौकिक सुख

				की आकांक्षा करने वाला जिज्ञासु छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से आत्मोद्धार कर सकता है।
	GE -2 SKT-GE-304	Generic Elective	भाषा-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त	इसमें संस्कृत भाषा के छात्रों के लिए भाषा-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों का सामान्य परिचय दिया गया है ,जो छात्रों के लिए भाषा व उच्चारण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।
	AEEC/SEC -3 SKT-SEC-305	Skill Enhancement Course	भारतीय रंगशाला	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय रंगशाला के इतिहास, निर्माण, प्रकार तथा अभिनयों का संक्षिप्त वर्णन है जो भारतवर्ष की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति का ज्ञान छात्रों को कराता है। भारतीय रंगशाला नाम वाला यह पाठ्यक्रम मंच से सम्बद्ध अभिनय आदि के विषय में बच्चों को शिक्षित करता है। अभिनय क्या है? कितने प्रकार का है? मंच पर नाटक आदि का मंचन कैसे किया जाता है? इत्यादि व्यक्तिगत कला को निखारने के विविध विषयों की शिक्षा पाठक यहाँ प्राप्त कर सकता है।
	AEEC/SEC -4 SKT-SEC-306	Skill Enhancement Course	भारतीय वास्तुशास्त्र	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र की पद्धति का निरूपण हैं जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए गृह-निर्माण

				की कला के साथ-साथ पर्यावरण व वास्तुकला विज्ञान की शिक्षा देना है। भवन निर्माण के समय कैसी भूमि का चयन किया जाना चाहिए? घर का परिमाण,पर्यावरण एवं गृहवाटिका निर्माण , वृक्षारोपण, दरवाजों का आकार, दिशा एवं गृहनिर्माण से सम्बंधित विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान यहाँ उपलब्ध है। गृहनिर्माण की जानकारियों से पूर्ण यह पाठ्यक्रम वर्तमान में अतीव उपयोगी है।